आकाशवाणी केन्द्र शिमला
03.06.2024 / प्रादेशिक समाचार / 1945बजे

मुख्य समाचार

- विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने स्वीकारे तीन निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे– प्रदेश में 3 और उपचुनाव तय।
- प्रदेश में लोकसभा चुनाव और विधानसभा उपचुनाव की मतगणना की सभी तैयारियां पूरी– 62 उम्मीदवारों के राजनीतिक भाग्य का फैसला कल।
- मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के वनों में आग पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कारगर कदम उठाने के निर्देश।
- निर्वाचन विभाग ने जारी किए ताजा आंकड़े– प्रदेश में 72 फीसदी तक पहुंचा लोकसभा चुनाव का मत प्रतिशत।

.....

इस्तीफे मंजूर

प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा देने वाले तीनों निर्दलीयों विधायकों के इस्तीफे आज मंजूर कर दिए। इसी के साथ इन विधायकों की विधानसभा सदस्यता खत्म हो गई है। जिन तीन निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे मंजूर किए गए हैं, उनमें कांगड़ा के देहरा से होशियार सिंह, सोलन के नालागढ़ विधानसभा क्षेत्र से के.एल.ठाकुर और हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र से आशीष शर्मा शामिल हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने इन तीनों निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे मंजूर करने की घोषणा करते हुए कहा कि उन्होंने पूरी जांच के बाद ये निर्णय सुनाया है और अब ये तीनों विधायक सदन के सदस्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इन निर्दलीय विधायकों को दल–बदल कानून के तहत अयोग्य करार नहीं दिया गया है, बल्कि उनके इस्तीफे स्वीकार किए गए हैं। हालांकि उनके खिलाफ कांग्रेस के जगत सिंह नेगी द्वारा दल–बदल कानून के तहत दायर याचिका अभी लंबित है। गौरतलब है कि इन तीन निर्दलीय विधायकों को 22 मार्च को विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था और 23 मार्च को इन तीनों विधायकों ने भाजपा में शामिल होने की घोषणा की थी। हालांकि विधानसभा अध्यक्ष ने इनके इस्तीफे तत्काल स्वीकार नहीं किए, इस पर पहले इन तीनों निर्दलीय विधायकों ने विधानसभा परिसर में ही धरना–प्रदर्शन किया और बाद में हाईकोर्ट में ही इस मामले को ले गए। हाईकोर्ट में इस मामले पर 2 न्यायाधीशों की खंडपीठ में फैसले पर सहमति नहीं बन पाई। इस पर ये मामला तीसरे न्यायाधीश को विचार के लिए भेजा गया है, जिस पर अभी फैसला आना बाकी है। इस बीच प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष के इन निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे स्वीकार करने के साथ ही राज्य में 3 और उपचुनाव तय हो गए हैं।

जयराम ठाकुर

इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने 3 निर्दलीय विधायकों के इस्तीफों को स्वीकार करने पर कहा कि विधानसभा अध्यक्ष अपने पद की गरिमा के विपरीत काम कर रहे हैं। जयराम ठाकुर ने आज शिमला में एक बयान में पूछा कि विधानसभा अध्यक्ष को जब इस्तीफे स्वीकार ही करने थे, तो इन्हें पहले क्यों मंजूर नहीं किया गया और क्यों जानबूझ कर पूरे मामले को लटकाया गया। जयराम ठाकुर ने कहा कि यदि यही इस्तीफे तुरंत स्वीकार कर लिए गए होते तो प्रदेश के बहुमूल्य समय और संसाधनों की बचत हो सकती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार को बचाने के लिए बार–बार लोकतांत्रिक मूल्यों की उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार संख्या बल और लोगों की नज़रों में गिर चुकी है। ऐसे में सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं रह गया है।

मतगणना

प्रदेश में 1 जून को हुए लोकसभा चुनाव और विधानसभा की 6 सीटों के लिए उपचुनाव की मतगणना की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मतगणना कल 4 जून को सुबह 8 बजे से शुरू होगी। लोकसभा चुनाव में पड़े वोटों की गिनती के लिए प्रदेशभर में 31 स्थानों पर कुल 74 मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। 6 विधानसभा क्षेत्रों में हुए उपचुनाव के मतों की गिनती के लिए कुल 6 मतगणना केंद्र स्थापित किए गए हैं। सुचारू और व्यवस्थित मतगणना के लिए निर्वाचन विभाग ने 3 हज़ार एक सौ 40 कर्मियों को लोकसभा चुनाव की मतगणना के कार्य में लगाया है, जबकि 6 विधानसभा उपचुनाव के लिए 2 सौ 40 कर्मी मतगणना का कार्य करेंगे। मतगणना केंद्रों पर सुरक्षा के लिए 2 हज़ार से अधिक सुरक्षा कर्मी तैनात किए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनीष गर्ग के अनुसार 4 मतगणना केंद्रों पर केवल डाक मत पत्रों की ही गिनती होगी। मतदान के बाद ई वी एम को स्ट्रांग रूम में केंद्रीय सुरक्षा बलों की कड़ी निगरानी में रखा गया है। मतगणना से पहले आज मतगणना का पूर्वाभ्यास भी किया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनीष गर्ग ने बताया कि निर्वाचन अधिकारियों और जिला निर्वाचन अधिकारियों को चुनाव परिणामों की जानकारी आम लोगों को उपयुक्त माध्यम से प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश में कल लोकसभा चुनाव और 6 विधानसभा उपचुनाव के लिए होने वाली मतगणना में कुल 62 उम्मीदवारों के राजनीतिक भविष्य का फैसला होगा। इनमें से 37 उम्मीदवार लोकसभा चुनाव जबकि 25 उम्मीदवार विधानसभा के उपचुनाव लड़ रहे हैं। राज्य में लोकसभा चुनाव लड़ने वालों में मंडी से भाजपा की कंगना रणौत और कांग्रेस के विक्रमादित्य सिंह, शिमला से भाजपा के सुरेश कश्यप और कांग्रेस के विनोद सुल्तानपुरी, कांगड़ा के भाजपा के राजीव भारद्वाज और कांग्रेस के आनंद शर्मा जबकि हमीरपुर से भाजपा के अनुराग सिंह ठाकुर और कांग्रेस के सतपाल रायजादा मुख्य रूप से आमने–सामने हैं। 6 विधानसभा क्षेत्रों में हुए उपचुनाव में भाजपा ने कांग्रेस के सभी 6 बागी व अयोग्य करार दिए गए विधायकों को अपना उम्मीदवार बनाया है। इनमें धर्मशाला से सुधीर शर्मा, सुजानपुर से राजेंद्र राणा, बड़सर से इंद्रदत्त लखनपाल,

लाहौल–स्पिति रवि ठाकुर, कुटलैहड़ से देवेंद्र भुट्टो और गगरेट से चैतन्य शर्मा शामिल हैं। प्रदेश में लोकसभा चुनाव व विधानसभा उपचुनाव में मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच है।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने वन विभाग के कर्मचारियों को जंगलों की आग पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल प्रभाव से कारगर कदम उठाने और दीर्घकालिक उपाय करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री आज शिमला में वनों को आग से बचाने के उपायों को लेकर आयोजित विभाग की उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने वनों में आग लगने की घटनाओं पर गहरी चिंता जताई। मुख्यमंत्री ने वनों में आग की घटनाओं को रोकने के प्रयासों में जन भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया और कहा कि लोगों के सहयोग से वनों में आग लगने की घटनाओं में धीरे–धीरे कमी आ रही है। प्रदेश में इस वर्ष अब तक वनों में आग की एक हज़ार 3 सौ 18 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन घटनाओं में 2 हज़ार 7 सौ 89 हैक्टेयर हरित क्षेत्र सहित कुल 12 हज़ार 7 सौ 18 हैक्टेयर भूमि प्रभावित हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनों में आग लगने की घटनाओं को नियंत्रित करने और इससे होने वाले नुकसान को कम करने के लिए राज्य सरकार अग्निशमन के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित एन.डी.आर.एफ. की एक समर्पित बटालियन गठित करने पर विचार कर रही है।

मतगणना तैयारी

प्रदेश में लोकसभा चुनावों व छह विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के लिए 4 जून को होने वाली मतगणना को देखते हुए चुनाव आयोग के निर्देशानुसार मतगणना केंद्र घोषित शिक्षण संस्थानों में कल अवकाश घोषित किया गया है। कांगड़ा संसदीय क्षेत्र के तहत आने वाले शाहपुर, नगरोटा, कांगड़ा और धर्मशाला निर्वाचन क्षेत्रों की मतगणना राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला में की जाएगी। इसके अलावा धर्मशाला विधानसभा उपचुनाव की मतगणना भी इसी कॉलेज परिसर में होगी। ज़िला निर्वाचन अधिकारी व उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि धर्मशाला कॉलेज के अलावा कांगड़ा जिला में मतगणना के लिए नुरपुर, पालमपुर और ज्वालामुखी में मतगणना केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इसके साथ ही मतगणना के लिए माईक्रो आब्जर्वर भी तैनात किए जाएंगे। वहीं शिमला ज़िला निर्वाचन अधिकारी अनुपम कश्यप बताया कि जिला के 6 विधानसभा क्षेत्र में मतगणना केंद्र घोषित शिक्षण संस्थानों के तहत राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पोर्टमोर, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला छोटा शिमला, राजकीय डिग्री कॉलेज संजौली, राजकीय आई टी आई ठियोग स्थित जैस, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला रामपुर और जुब्बल शामिल हैं।

मतदान

प्रदेश में पहली जून को हुए लोकसभा चुनाव में मतदान का आंकड़ा 72 प्रतिशत पर पहुंच गया है। राज्य निर्वाचन विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक सर्वाधिक 73 दशमलव एक–पांच प्रतिशत मतदान

मंडी संसदीय क्षेत्र में दर्ज किया गया, जबकि हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में 71 दशमलव पांच–छः प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। इसी तरह शिमला संसदीय क्षेत्र में 71 दशमलव दो–छः प्रतिशत और कांगड़ा संसदीय क्षेत्र में 67 दशमलव आठ–नौ प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। निर्वाचन विभाग के अनुसार उपचुनावों में मतदाताओं ने अधिक उत्साह दिखाया। इस दौरान कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 76 दशमलव आठ–नौ प्रतिशत, गगरेट में 75 दशमलव एक–चार प्रतिशत, लाहौल–स्पिति में 75 दशमलव शून्य–नौ प्रतिशत, सुजानपुर में 73 दशमलव सात–छः प्रतिशत, बड़सर में 71 दशमलव छः–नौ प्रतिशत और धर्मशाला में 71 दशमलव दो–शून्य प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

पयर्टक बहे

प्रसिद्ध पर्यटक नगरी मनाली के वशिष्ठ चौक के पास आज ब्यास नदी में 2 महिला पर्यटकों की बह जाने से मौत हो गई। इनकी पहचान आंचल और मीनू के रूप में हुई है। ये दोनों पर्यटक महिलाएं गाजियाबाद की रहने वाली हैं और परिवार के साथ कुल्लू–मनाली घूमने आई थीं। आज ब्यास नदी में फोटो खिंचवाते समय एक महिला का अचानक पैर फिसल गया और उसे बचाने के चक्कर में दूसरी महिला भी नदी में बह गईं।

मौसम

हिमालय क्षेत्र में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश में मौसम में बदलाव आया है। आज दोपहर बाद से राज्य के अनेक हिस्सों में बादल छाए हुए हैं। इस दौरान राजधानी शिमला में वर्षा भी हुई। किन्नौर और कुल्लू ज़िलों में भी कुछ स्थानों पर वर्षा की सूचना है जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली है। विभाग ने 7 जून तक राज्य में अलग–अलग स्थानों पर वर्षा और अधिक ऊंचाई वाले कुछ स्थानों पर बर्फबारी की संभावना जताई है।

.....